समस्या उत्पन्न होती है और उसका समाधान भी होता है। इसे हम उदाहरण स्वरूप देखते हैं ज्ञान विशिष्ट विषय में BCC-3 यानि Learning Teaching topic को अंग्रेजी में पढ़ा रही हूँ लेकिन कुछ बालकों को अंग्रेजी समझ में नहीं आ रही है, यह कि समस्या है इसके समाधान के लिए मैंने हिन्दी में पढ़ाना आरंभ किया, पहली समस्या का समाधान हो गया। लेकिन अब दूसरी ~~समाधान~~ समस्या बालकों के समक्ष उठती है हिन्दी में कुछ शब्द अधिगम, पुनर्बलन, पुनर्पोषण आदि बालकों को समझ नहीं आती, तब उनका अर्थ समझाते हुए समस्या का समाधान करना इस प्रकार ज्ञान निर्माण में अनेक समस्या आती है और उसका समाधान किया जाता है।

To be Continued in Next Class

Scanned with CamScanner

सरल शब्दों में ज्ञान का निर्माण सूचनाओं का संकलन एवं प्रबंधन जो ज्ञात होने के बाद संचित रहता है यह वास्तविक अनुभव द्वारा प्राप्त होता है। यह सूचना की पुनः प्राप्ति की प्रक्रिया के रूप नूतन ज्ञान की ओर अग्रसर होता है।

किसी ज्ञान के निर्माण में सूचनाओं का महत्वपूर्ण स्थान होता है अधिगमकर्ता सूचना एकत्रित करना उसके बाद निरीक्षण परीक्षण करता फिर वो सूचना जो जरूरी नहीं है या अनावश्यक है उसे छांटता है तब सामान्यीकरण करता है कि यह ज्ञान सामान्यरूप से लागू होता है कि नहीं।

ज्ञान निर्माण का आधार :- ज्ञान निर्माण में देखा जाता है कि प्रयोज्य अधिगम करते समय कुछ विभिन्न पूर्वानुभवों का अधिगम करता है जिसके द्वारा अधिगमकर्ता के समस्या का समाधान होता है साथ साथ कुछ अन्य संप्रत्यय के संबंध में सूचना एकत्रित करता है जिससे वर्तमान में जो समस्या खड़ी होती है इसका हल निकालने के लिए अध्ययन करता है जिससे एक ही नहीं अनेक समस्याओं का हल हो जाता है। इस प्रक्रिया के अन्तर्गत अनेक

ज्ञान का निर्माण

Construction of knowledge

प्रत्येक व्यक्ति अपने ज्ञान का निर्माण अपनी बौद्धिक क्षमता तक अपने ढंग से वातावरण के प्रतिमानों में करता है। मनुष्य अपने वातावरण से सूचनाओं एवं अनुभव संग्रह करता और उसकी खोज करता। इनकी खोज तथा जाँच की प्रकृति प्रक्रिया से अनेक मिथ्या एवं सत्य की पहचान होती है।

सर्व प्रथम मनुष्य अनुमान का सहारा लेता है तथा पूर्व ज्ञान के आधार पर ज्ञान की सत्यता की खोज करता है अन्तिम रूप से नए ज्ञान का निर्माण एक नई संरचना में किया जाता है जो व्यक्ति निजी अवधारणा का प्रतीक बन जाता है इसमें बाहरी वातावरण का ज्ञान और स्वयं तथा आन्तरिक संवेदी ज्ञान तथा व्यक्तिगत अनुभव सम्मिलित होते हैं, जिससे सबका मेलजोल एक ~~[illegible]~~ पूर्ण इकाई बन जाता है और ~~श्र~~ हमारी व्यक्तिगत जानकारी और अनुभवों के भण्डार में वृद्धि का नाम है।

Scanned with CamScanner